Ref. :......................... Date :.........................

Samples prepared by students

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.Ed COLLAGE

सबकी इच्छा सर्व शिक्षा

INTERNSHIP-(OBSERVATION)

SESSION- 2021-23

SUBMITTED TO:-

Pro. ANOOP KUMAR KANNAUJIYA
and
Pro. RAMAGYA YADAV

SUBMITTED BY:-

NAME - RAHUL - KUMAR
ROLL NO:- 58
Session - 2021 - 2023
B.Ed - 1st year.

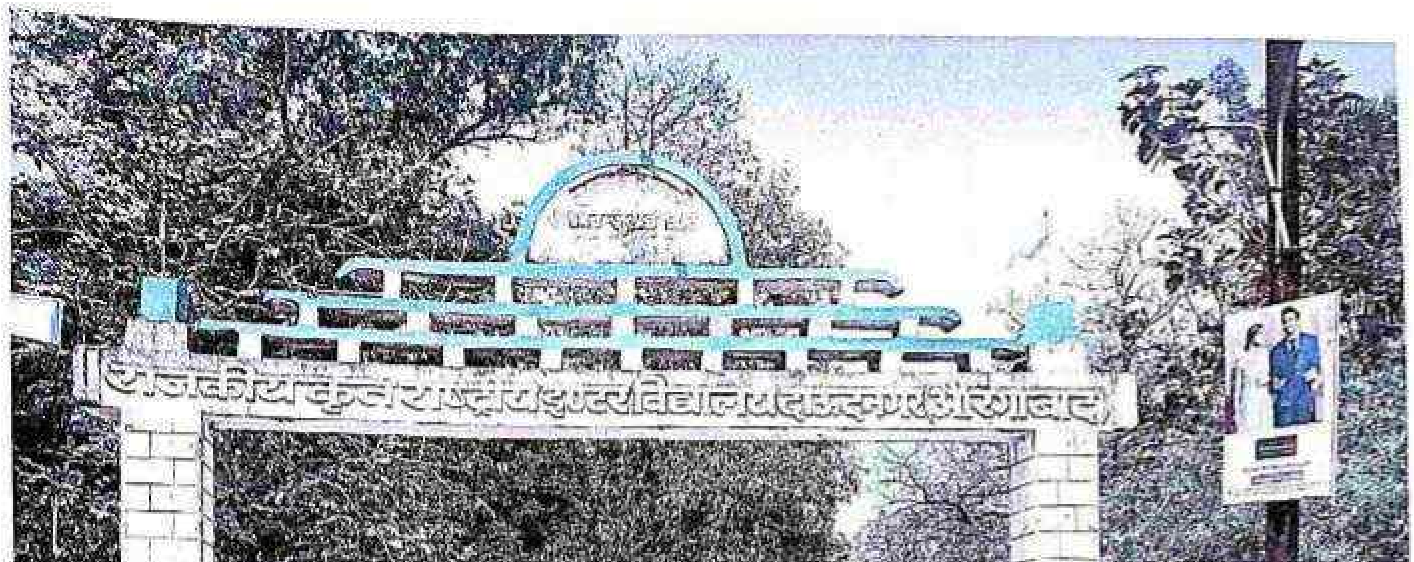

राजकीयकृत राष्ट्रिय इंटर विद्यालय, दाउदनगर
BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.Ed COLLAGE
अवलोकन समापन समारोह
B.Ed- Session 2021-2023 Date:- 22/04/2022

प्रमाण पत्र

स्थान राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाउदनगर दिनांक 22·01·2022

प्रमाणि किया जाता है कि श्री/ सुश्री /श्रीमती राहुल कुमार

क्रमांक 58 ने दिनांक 23-03-2022 से 22-04-2022

के बीच भौतिक विधि विषय में इंटर्नशिप (अवलोकन)

श्री/ **Mr.Anoop Kumar Kannaujiya& Mr. Ramagya Yadav**

के निर्देशन में पूर्ण किया । इंटर्नशिप (अवलोकन) इनका कार्य संतोषप्रद रहा ।

22/4/22

प्राचार्य

Principal Incharge
Rastriya Inter School
Daudnagar,Aurangabad

-: OBSERVATION MEANING:-

अवलोकन पद्धति एक वैज्ञानिक पद्धति है, क्योंकि इस पद्धति के द्वारा आप अपनी आँखों से देखकर सामग्री का संग्रहण करते हैं।

अवलोकन शब्द की उत्पत्ति :- अवलोकन शब्द अंग्रेजी भाषा के शब्द 'Observation' का अनुवाद है। शाब्दिक दृष्टि से इसका अर्थ है - विचार निरीक्षण करना। यह 'आब्जर्व' शब्द से बना है जिसका अर्थ है - ध्यान देना, परीक्षा करना, अनुष्ठान करना आदि। इसका सीधा अर्थ आँखों से देखना है।

अवलोकन का अर्थ :- यह एक शोध विधि है जिसका उपयोग मनोविज्ञान में किसी वस्तु के संगठित और उद्देश्यपूर्ण जाँच और अध्ययन के लिए किया जाता है।

अवलोकन एक वस्तु का विशेष रूप से संगठित और निश्चित व्याख्या है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आंतरिक और बाहरी हो सकता है।

अवलोकन की परिभाषाएँ :- अवलोकन की परिभाषाएँ जो सिद्धान्तों के द्वारा दी गई हैं, वे निम्नवत इस प्रकार हैं :-

पी० वी० यंग के अनुसार,

"अवलोकन नेत्रों के द्वारा किया गया विचारपूर्वक अध्ययन है, जिसका प्रयोग सामूहिक व्यवहार तथा जटिल सामाजिक संस्थानों के साथ-साथ सम्पूर्णता का निर्माण करने वाली पृथक-2 इकाइयों का सूक्ष्म निरीक्षण करने की एक पद्धति के रूप में किया जा सकता है।"

जहोदा एवं कुक के अनुसार,

"अवलोकन केवल दैनिक जीवन का ही अत्याधिक व्यापक क्रिया मात्र नही है. यह वैज्ञानिक जाँच का भी एक प्राथमिक यंत्र है।"

ऑक्सफोर्ड कन्साइज डिक्शनरी के अनुसार,

"घटनाओं को उसी प्रकार देखना और वर्णन करना जिस प्रकार के कार्य करण अथवा पारस्परिक सम्बन्धों के अनुसार स्वाभाविक रूप से घटते हैं।"

इस प्रकार अवलोकन को सामाजिक अनुसंधान की एक पद्धति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है - जिसमें नेत्रों और समझा जाता है।

-: TYPES OF OBSERVATION:-

अवलोकन पद्धति का प्रकार :- अवलोकन पद्धति सोच समझ कर की जाने वाली क्रमबद्ध प्रक्रिया है; अध्ययन की सुविधा हेतु निरीक्षण को कई भागों में बाँटा जाता है। अवलोकन पद्धति के विभिन्न प्रकारों को निम्नवत वर्गीकरण किया जा सकता है -

(1) अनियन्त्रित अवलोकन :- अवलोकन के पहले प्रकार को अनियन्त्रित अवलोकन का कहा जाता है. इसे सरल अवलोकन के नाम से भी जाना जाता है। अत्यंत सरल शब्दों में यह अवलोकन का वह प्रकार का नियन्त्रण नहीं रहता है।

यंग ने इसकी परिभाषा करते हुए लिखा है कि अनियन्त्रित अवलोकन में हमें वास्तविक जीवन घटनाओं की गहन परीक्षा करनी पड़ती है। जिसमें यथार्थता से उपकरणों के प्रयोग में हमें वास्तविक जीवन घटनाओं की शुद्धता के लिए नियन्त्रण का प्रयत्न किया जाता है।

(क) सहभागी अवलोकन :- सहभागी अवलोकन की जाने वाली परिस्थितियों में स्वयं भाग लेता है और उस समूह का औपचारिक सदस्य बन जाता है। इस पद्धति का प्रयोग तब किया जाता है, जब अनुसंधानकर्ता उस समूह से स्वयं घुल मिल जाता है, जिसका कि वह अध्ययन करना चाहता है।

(ख) असहभागी अवलोकन :- असहभागी अवलोकन में अनुसंधान कर्ता भाग नहीं लेता है। वह समुदाय में उपस्थित तो रहता है. किन्तु समुदाय की क्रियाओं और व्यवहारों में हिस्सा

नहीं लेता है। इस प्रकार वह समुदाय की क्रियाओं में भाग न लेते हुए भी उसकी गहराई में जाने का प्रयास करता है तथा वह समुदाय का निष्पक्ष अध्ययन करता है।

(ग) अर्द्ध-सहभागी अवलोकन :- अनियन्त्रित अवलोकन अर्द्ध सहभागी अवलोकन के नाम से जाना जाता है। इस अवलोकन में ना तो पूर्ण रूप से भाग लेना सम्भव है और न ही पूरी तरह से अलग रहना ही सम्भव है। इन दोनों माध्यमों से पूर्ण अध्ययन करने में कठिनाई होती है। इसके लिए तीसरा साधन यह है कि परिस्थितियों में भाग लिया जाए और कुछ में भाग न लिया जाए।

(2) नियन्त्रित अवलोकन :- अवलोकन पद्धति का द्वितीय प्रकार नियन्त्रित अवलोकन है, इसे व्यवस्थित अवलोकन भी कहा जाता है। इस विधि का प्रयोग मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की नियन्त्रित परिस्थितियों में किया जा सकता है। इसमें किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व के मापन हेतु मापनकर्ता इसके लिए परिस्थितियाँ तैयार करता है एवं उनके अनुसार उस व्यक्ति के व्यवहार का निरीक्षण करता है।

इसमें अवलोकन अधिक वैध एवं विश्वसनीय नहीं होता है क्योंकि इसमें व्यक्ति के व्यवहार के अस्वाभाविक हो जाने की सम्भावना बनी रहती है। इसमें परीक्षक व्यक्ति की विविध क्रियाओं तथा आचरण - व्यवहार का अध्ययन करता है। इन्हीं के आधार पर व्यक्तित्व की विशेषताएँ ज्ञात की जाती हैं।

(3) सामूहिक अवलोकन :- सामूहिक अवलोकन में अवलोकन का कार्य कई व्यक्तियों द्वारा सम्पन्न किया जाता है। इसमें अध्ययन की जाने वाली घटना के विभिन्न पक्षों का यथाधिक विषय विशेषज्ञों द्वारा अवलोकन किया जाता है।

-:INTRODUCTION OF THE SCHOOL:-

NAME OF THE SCHOOL :- राष्ट्रीय उच्चतर विद्यालय दाउदनगर दाउदनगर वार्ड नं० -23, दाउदनगर, औरंगाबाद (बिहार)

MOTTO OF THE SCHOOL :- कौशल ज्ञान और लोगों के बीच प्यार कायम करना।

VISION AND MISSION OF THE SCHOOL :- विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाकर उनको आत्म निर्भर बनाना।

ESTABLISHMENT :- 1953

MANAGEMENT :- शिक्षा विभाग

MANAGEME OF MANAGEMENT COMITTE :- विद्यालय को सुचारु रूप से चलाना।

CHAIRMAN/CHAIRPERSON OF THE SCHOOL :- महेन्द्र कु० सिंह

ACADEMIC ACHIEVEMENTS :- 86%

INTRODUCTION:-

बी० एड० प्रथम सेमेस्टर प्रशिक्षण के अंतर्गत हमें एक माह का अवलोकन कार्य किया है। जिसमें प्रशिक्षु शिक्षकों को बी० एड० कोर्स के विभागाध्यक्ष द्वारा नियमित शिक्षकों के अवलोकन हेतु विद्यालय में सुविधा उपलब्ध की गयी।

इस चार सप्ताह के अवलोकन के अंतर्गत हमने बी० एड० पाठ्यक्रमानुसार निम्नवत बिन्दुओं के आधार पर अवलोकन व अध्ययन किया।

विद्यालय का नाम :- अवलोकन के लिए हमें राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाऊदनगर (औरंगाबाद, बिहार) में जाना पड़ा था।

कक्षा का आरम्भ :- शिक्षण सामग्री की अवलोकन उपलब्धता सुनिश्चित करना, पाठ का परिचय - विषय वस्तु, छात्रों के ज्ञान की जाँच।

छात्राध्यापक का व्यक्तित्व :- वेशभूषा - वचन, उत्साह, श्यामपट का लेखन, आत्मविश्वास का स्तर, स्पष्टता, निरन्तरता, भाषा का स्पष्ट एवं संचार की गति।

छात्राध्यापक द्वारा प्रयोग में लाई गई तकनीक एवं पद्धति :- सहायक सामग्री, प्रश्न पूछना, प्रदर्शन, प्रस्तुतीकरण, उदाहरण सहित स्पष्टीकरण इत्यादी।

कक्षा का प्रबन्धन :- छात्रों के बैठने की उचित व्यवस्था, कक्षा का अनुशासन, समय का प्रबंधन इत्यादी।

PLAYGROUND :- बच्चों के खेलने के लिए विद्यालय में एक खेल का मैदान हैं, जिसमें बच्चें एक-साथ मिलकर खेलते हैं, झूला झूलते हैं।

OFFICE :- विद्यालय की किसी भी जानकारी प्राप्त करने के लिए अलग से ऑफिस भी बनाया गया हैं।

STAFF ROOM :- विद्यालय के सभी स्टॉफ मेम्बर के लिए अलग से एक स्टॉफ रूम का भी इंतेजाम हैं।

VISITOR'S ROOM :- विद्यालय में स्टॉफ के अलावा अगर कोई बाहर से ~~अलग~~ आता हैं तो उनके बैठने के लिए अलग से एक VISITOR रूम भी बना हैं।

NCC कार्यालय :-> विद्यालय के office के अलावा NCC office हैं। जिसमें NCC करने वाले बच्चों के लिए provide कराया गया हैं। NCC करने वाले बच्चों कि उम्र 14 to 18 होती है। NCC का उद्देश्य युवा नागरिकों के बीच अनुशासन, चरित्र, भाईचारे, साहसिक और की भावना। NCC का moto → एकता और अनुशासन।

VEHICLE STAND :- उपलब्ध है।

STORE ROOM :- विद्यालय में स्टोर रूम की भी व्यवस्था हैं।

REST ROOM :- उपलब्ध हैं।

CANTEEN :- बच्चों के खाने-पीने के लिए विद्यालय में कैंटीन की सुविधा नही हैं।

DRINKING WATER FACILITY :- विद्यालय में पीने के लिए साफ पानी की भी व्यवस्था की गई हैं।

NOTICE-BOARD :- विद्यालय में नोटिस बोर्ड की सुविधा भी उपलब्ध हैं जिस पर समय-समय पर आने वाले सभी नोटिसों को लिखा या चिपका दिया जाता हैं।

NEWS-STAND :- उपलब्ध है।

OTHERS :- विद्यालय में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों से सम्बन्धित सभी सुविधाएँ उपलब्ध है।

26/03/2022

-: CURRICULUM IN THE SCHOOL :-

COURSES/SUBJECTS OFFERED IN THE SCHOOL :-

कामर्स, साइंस, आर्ट्स सभी विषय विद्यालय में पढ़ाए जाते हैं।

CO-CURRICULAR ACTIVITIES :- एथलेटिक्स, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत कार्यक्रम, नृत्य कार्यक्रम, खेल, नाटक, पी०टी० (P.T) आदि।

विद्यालय के आस-पास का वातावरण

राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय, दाऊदनगर (औरंगाबाद) के चारों तरफ खुला वातावरण है विद्यालय के समीप से ही होकर NH-139 रोड गुजरी हुई है। विद्यालय के कुछ ही दूरी पर एक बड़ी सी नहर स्थित है।

पेड़-पौधों की भी अच्छी संख्या है तथा विद्यालय प्रबंधन द्वारा भी बागवानी की गई है। विद्यालय के चारों ओर का वातावरण स्वच्छ है। विद्यालय के आस-पास ~~कुछ~~ कूड़ा व गन्दगी युक्त वातावरण नहीं है विद्यालय एक ऐसे स्थान पर निर्मित नहीं है। जहाँ किसी प्रकार की असुविधा हो बल्कि विद्यालय एक ऐसे स्थान पर स्थित है जहाँ विद्यार्थियों को आवागमन में कोई असुविधा नहीं होती है।

ATTENDING AND ORGANIZING MORNING ASSEMBLY :-

Assembly की विभिन्न गतिविधि निम्न है —

(i) व्यायाम
(ii) प्रार्थना
(iii) राष्ट्रगान
(iv) नारा
(v) समाचार पत्र पढ़ना
(vi) सामान्य ज्ञान प्रश्न

Assembly विद्यालय परिसर की सभी गतिविधियों में सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है. यह ऐसा स्थान है जहाँ शिक्षक तथा समस्त छात्र एक स्थान पर उपस्थित रहते हैं।

<u>गतिविधियाँ</u> :- सर्वप्रथम सभी छात्र शांतिपूर्वक एक सीधी पंक्ति में खड़े हो जाते हैं। यहाँ क्रमशः अपना-अपना section के पंक्तिबद्ध समूह से निकलकर मंच पर आते हैं. तथा पूरे सभा को संचालित करने का उत्तरदायित्व होते है। उनमें एक छात्र माइक में बोलकर संचालित करता है।

विद्यालय का नाम :- राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय
दाऊदनगर औरंगाबाद (बिहार)

छात्र/छात्राध्यापक का नाम :- राहुल कुमार

क्रमांक :- 58

प्रार्थना का समय :- 9:00AM - 9:30 AM

(i) व्यायाम :- राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाऊदनगर की एक खास क्रियाविधि है जो कि अत्यन्त एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। व्यायाम यह क्रिया प्रार्थना से पहले प्रारंभ किया जाता है जिससे बालकों में एक प्रकार से स्फूर्ति की भावना का विकास होता है। इस विद्यालय में कुल 10 प्रकार के व्यायाम के लिए कराये जाते हैं जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। व्यायाम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों बहुत ही अच्छे ढंग से करते हैं। तथा पूरे मन से करते हैं। सभी छात्रजन व्यायाम करते हैं तो सभी छात्रों का तालमेल बहुत अच्छा रहता है जिसके कारण उनके व्यायाम को देखने में भी अधिक आकर्षक लगता है।

विद्यालय का नाम – राजकीय कृत राष्ट्रीय उच्चतर विद्यालय
दाऊदनगर, औरंगाबाद (बिहार)

प्रार्थना सभा का समय :- 9:00AM – 9:30AM तक

(ii)

–: प्रार्थना :–

तू ही राम है, तू रहीम है
तू करीम कृष्ण, खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु, तू यीशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....

तेरी जात पाक कुरान में
तेरा दरस वेद-पुराण में।
गुरु ग्रन्थ जी के बखान में
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है....

अरदास है, कहीं कीर्तन
कहीं रामधुन, कहीं आवाहन।
विधि-वेद का यह सब रचन
तेरा भक्त तुमको बुला रहा।
तू ही राम है, तू ही रहीम है
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ।

(iii) -: राष्ट्रगान :-

जन-गण-मन अधिनायक, जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा।
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय गाथा।

जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

(iv) नारा :-
भारत माता की जय ...
वन्दे मातरम् ----2

v good

(v) समाचार पत्र पढ़ना :- एक छात्र अखबार लेकर उस दिन की मुख्य खबरें पढ़ कर सुनाता है। यह कार्य प्रतिदिन होता है जिससे बालक भी रोजना देश- विदेश में हो घटनाओं के बारे में जानकारी रखता है।

(vi) सामान्य ज्ञान :- प्रतिदिन पंक्ति में से एक छात्र मंच पर आकर सामान्य ज्ञान का रोजाना अलग-अलग प्रश्न पुछता है और बाकी उत्तर देने के लिए कोशिश करता है।

जैसे :- भारत का उपग्रह कौन है? — आर्यभट्ट

भारत का प्रथम महिला प्रधानमंत्री — इन्दिरा गाँधी

भारत का प्रथम महिला राष्ट्रपति — प्रतिभा सिंह पाटिल

बिहार का वर्तमान मुख्यमंत्री — नितीश कुमार

बिहार विधानसभा का स्पीकर कौन है? — विजय कु० सिन्हा

→ इसके बाद सारे अपना-अपना वर्ग पंक्ति बद्ध जाते हैं।

Time Table

		10:30 to 11:15	11:15 to 11:50	11:50 to 12:25	12:25 to 1:00	1:00 to 1:30	1:30 to 2:10	2:10 to 2:45	2:45 to 3:20	3:20 to 3:55
सोमवार	दशम	MATH NIRMAL	GEOGRAPHY SANJEET	PHYSICS RAHUL	CHEMISTRY SHILA		BIOLOGY SHILU	HISTORY SHILU	HINDI SOLANKI	ECONOMICS MANISH
	नवम	MATH NISHANT	GEOGRAPHY RISHI	PHYSICS RAJESH RANJAN	CHEMISTRY		BIOLOGY DIPIKA	HISTORY DIPIKA	HINDI SOLANKI	ECONOMICS NITYANAND
मंगलवार	दशम	MATH SOLANKI	GEOGRAPHY SANJEET	PHYSICS RAHUL	CHEMISTRY NITISH	L	HISTORY SHILU	BIOLOGY SHILU	HINDI MADHURI	ECONOMICS RATN PRAKASH
	नवम	MATH CHITRANJAN	GEOGRAPHY RAVI	PHYSICS MOHAN	CHEMISTRY SHILA		HISTORY MADAN	BIOLOGY DIPIKA	HINDI NITYA NAND	ECONOMICS CHITRANJAN
बुधवार	दशम	MATH SANTOSH	GEOGRAPHY NITYA NAND	PHYSICS SANTAN	CHEMISTRY	U	HISTORY OMPRAKASH	BIOLOGY SHILU	ENGLISH RAJESH RANJAN	ECONOMICS MANISH
	नवम	MATH GAURAV	GEOGRAPHY RAVI	PHYSICS ABHISHEK	CHEMISTRY NITISH		HISTORY RAJ GUPTA	BIOLOGY DIPIKA	ENGLISH NIRMAL	ECONOMICS SANJEET
वृहस्पतिवार	दशम	MATH MADHUVI	GEOGRAPHY GUNJAN	PHYSICS	CHEMISTRY SHILA	N	HISTORY OM PRAKASH	BIOLOGY SHILU	ENGLISH SANTAN	ECONOMICS MANISH
	नवम	MATH NIRMAL	GEOGRAPHY DINESHWAR	PHYSICS BRIJNANDAN	CHEMISTRY		HISTORY SANJEET	BIOLOGY DIPIKA	ENGLISH SANTAN	ECONOMICS MANISH
शुक्रवार	दशम	MATH NISHANT	GEOGRAPHY NITYA NAND	PHYSICS SANTAN	CHEMISTRY NITISH	C	HISTORY OM PRAKASH	BIOLOGY DIPIKA	SANSKRIT SANTAN	ECONOMICS SHILA
	नवम	MATH CHITRANJAN	GEOGRAPHY RAVI	PHYSICS RAJESH RANJAN	CHEMISTRY SHILA		HISTORY RAJ KUMAR	BIOLOGY SHILU	SANSKRIT SANTAN	ECONOMICS SHILU
शनिवार	दशम	MATH SOLANKI	GEOGRAPHY SANJEET	GEOGRAPHY RATNA PRAKASH	PHYSICS RAHUL	H				
	नवम	MATH GAURAV	GEOGRAPHY RISHI	GEOGRAPHY SANJEET	PHYSICS ABHISHEK					

OBSERVE AND MADE DAY TO DAY SCHOOL ACTIVITIES

1. विद्यालय खुलने का समय 10:00 Am

(क) Assembly – 10:00 AM – 10:30 AM तक

व्यायाम

प्रार्थना

राष्ट्रगान

नारा

समाचार पत्र पढ़ना

सामान्य ज्ञान

2. 10:30 AM के बाद सभी बच्चों द्वारा अपने-अपने कक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज करना एवं समय-सारणी के अनुसार विषय पढ़ाना।

3. क्रमश 35-35 मिनट का अलग-अलग विषय पढ़ाना।

4. 3:15 PM बजे छुट्टी होना।

5. लगातार 8 घण्टी पढ़ाना।

6. सारे लोग स्कूल uniform में आना अनिवार्य

7. 3:30 PM बजे तक विद्यालय परिसर को छोड़ देना।

ORGANIZE ENVIRONMENT AWARENESS PROGRAMME IN SCHOOL WITH COLLABORATION OF NEARBY SOCIETY.

दिनांक :- 21.03.2022
छात्र अध्यापक का नाम :- राहुल कुमार
क्रमांक :- 58
विद्यालय का नाम :- ~~राज्य~~ राजकृत राष्ट्रीय उत्तर विद्यालय दाऊदनगर, (औरंगाबाद)

विषय सूची :-

- प्रस्तावना
- पर्यावरण के प्रकार
- पर्यावरण के महत्व
- शुद्ध पर्यावरण से लाभ
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं योगदान
- दूषित पर्यावरण से नुकसान या समस्याएँ .
- निष्कर्ष
- वर्तमान में पर्यावरण जागरूकता के हाथ प्रति
- सुझाव

प्रस्तावना :- मैं राहुल कुमार भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बि० एड० कॉलेज सत्र 2021-2023 का नियमित छात्र हूँ। आज दिनांक को राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाऊदनगर, औरंगाबाद में पर्यावरण जागरूकता का कार्य सौंपा गया। यह कार्यक्रम हमारे ग्रुप के पर्यवेक्षक Prof. ANOOP KUMAR KANAUJIYA के निरिक्षण में किया गया।

हमलोगों ने मिलकर पर्यावरण जागरूकता का कार्यक्रम आयोजन राजकीय कृत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाऊदनगर औरंगाबाद में किया गया। आयोजन कर्ता - निर्मल कुमार, राजेश रंजन, सैतन कुमार, अभिषेक, रविरंजन, ओमप्रकाश, राहुल, नित्यानन्द, दिपिका प्रकाश, माधुरी, एवं सभी प्रशिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पर्यावरण :- पर्यावरण वह शब्द है जो दो स्वतंत्र शब्दों से मिलकर बना है - 'परि' और 'आवरण' इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण पृथ्वी के चारों ओर का आवरण है जिससे हमारी पृथ्वी घिरी हुई है। अब हमें यह जानना आवश्यक है कि पृथ्वी का यह आवरण जिसमें पृथ्वी घिरी हुई है उसके अन्तर्गत क्या-क्या आते हैं जल पेड़-पौधे- जीव-जन्तु हवा-सूर्य मानव आदि।

पर्यावरण के प्रकार :- (i) भौतिक या अजैविक पर्यावरण
(ii) जैविक पर्यावरण

*** भौतिक या अजैविक पर्यावरण :-** इसके अन्तर्गत भौतिक शक्तियाँ आती हैं, जैसे मिट्टी, पानी, रोशनी, तापक्रम, वायु, आर्द्रता, वर्षा आदि। भौतिक पर्यावरण की शक्तियाँ जीवों में बाह्य परिवर्तन करती हैं। मिट्टी, पानी वायु अजैविक माध्यम के घटक हैं। इन सब में किसी भी प्रकार का प्रदुषण पर्यावरण को प्रदुषित कर देता है।

*** जैविक पर्यावरण :-** जैविक पर्यावरण के अंतर्गत अनेक जीव आते हैं जो भौतिक पर्यावरण में रहते हैं। जीवों का आंतरिक पर्यावरण में रहते हैं। जीवों का आंतरिक पर्यावरण भी इसके अंतर्गत आता है। जैविक पर्यावरण का प्रारंभ प्रत्येक कोशिका की रासायनिक व आणुवांशिक संरचना से होता है। पृथ्वी का अस्तित्व बचाने के लिए जल तथा पर्यावरण प्रदूषण को हर तरह से रोकना होगा नहीं तो लोगों के सामने भयावह परिणाम आ सकता है।

पर्यावरण का महत्व :- आज पर्यावरण विनाश एक विश्वव्यापी समस्या बन चुकी है। मनुष्य विज्ञान और विकास के नाम पर प्रकृति का लगातार विनाश करता जा रहा है। पर्यावरण हमारे जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है। इसलिए पर्यावरण का संरक्षण आज जीव मात्र के कल्याण के साथ-साथ प्रकृति सुरक्षा के लिए भी अति आवश्यक हो गया है। पर्यावरण परिवेश को इस स्थिति तक पहुँचाने वाला मनुष्य है और इंसान की उन्नति जीवन स्तर के युग में वायु प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण, अम्लवर्षा और तकनीकी प्रगति के माध्यम से मनुष्यों द्वारा किये गये। इसे सामान्य से सुरक्षित रखने के लिए एक साथ-शपथ लेनी चाहिए।

शुद्ध पर्यावरण से लाभ :-

(i) शुद्ध पर्यावरण से हम सबों को शुद्ध वायु की प्राप्ति होती है।

(ii) पर्यावरण शुद्ध एवं स्वच्छ होने से हमें कई प्रकार की बिमारीयों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

(iii) मनुष्यों को साँस लेने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है तथा ऑक्सीजन हमें स्वच्छ वातावरण से ही प्राप्त होते हैं।

(iv) पर्यावरण शुद्ध और स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में पेड़ लगाना चाहिए। जिससे "ग्लोबल वार्मिंग" कम हो सकती है।

• **पर्यावरण के प्रति जागरूकता** :- पर्यावरण की सुरक्षा से बढ़कर आज कोई पूजा नहीं है। प्रकृति का सम्मान ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी। कहा भी जाता है कि प्राकृति भी ईश्वर है। अगर हम चाहे सच्चे ईश्वर हैं तो भगवान की बनाई इस दुनिया की हवा, पानी जंगल और हम जमीन को प्रदुषित होने से बचाएँ वर्तमान संदर्भ में इससे बढ़कर कोई पूजा नहीं है। याद रहे कि हम प्रकृति से हैं, प्रकृति हमसे नहीं।

• **योगदान** :-> राजकीय हत राष्ट्रीय इण्टर विद्यालय दाऊदनगर (औरंगाबाद) में हमलोग ने मिलकर पर्यावरण जागरूकता का आयोजना किया। विद्यालय में हमलोग ने मिलकर पेड़-पौधों लगाने एवं जल संरक्षण के लिए बच्चों को प्रेरित किया।

"शुद्ध पानी और शुद्ध हवा
जीवन जीने की अनमोल दवा।"

"पर्यावरण बचाओ, धरती को स्वर्ग
सा सुन्दर बनाओ।"

"पर्यावरण की रक्षा, दुनिया की सुरक्षा"

इसी प्रकार सभी बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाया। और हमारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

• **दूषित पर्यावरण से नुकसान या समस्यायें** :-

(i) बढ़ते कार्बन डाइऑक्साइड ने वायुमण्डल में ऑक्सीजन को कम कर दिया है।
(ii) शुद्ध वायु - शुद्ध भोजन एवं पानी नही मिल पा रही है।
(iii) पर्यावरण दूषित से तरह-तरह के बिमारियाँ उत्पन्न होने लगी हैं।
(iv) पर्यावरण के नुकसान से वर्षा में कमी होने लगी है।
(v) वायुमण्डलीय परिवर्तन से "ग्लोबल वार्मिंग" होने लगा है। इसने संसार के सभी देशों को अपनी चपेट में लेना प्रारंभ कर दिया है।

पर्यावरण जागरूकता के लिए पौधा रोपन
करते हुए।

• **निष्कर्ष** :- इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का अपना दायित्व हैं। पर्यावरण की संरक्षण तभी होगा जब हम सब इसके प्रति समय - समय पर जागरूक होंगे। तभी पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करने में पूर्ण योगदान होना चाहिए ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे। क्योंकि पर्यावरण संरक्षण ही हमारा कल्याण हैं।

सुझाव :-

(i) पर्यावरण को शुद्ध एवं संरक्षण के लिए हम अपने आस-पास पेड़-पौधे को लगायेंगे।

(ii) पेड़ - पौधे की कटाई पर रोक लगायेंगे।

BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.Ed. COLLEGE

Patna Road, Daudnagar, Aurangabad (Bihar)-824113

Recognised by - N.C.T.E., (ERC), Bhubaneswar, Odisha (Govt. of India)

&

Affiliated to

MAGADH UNIVERSITY

BODH-GAYA

Lesson Plan

Name of the Pupil-Teacher... SADIYA ANJUM.

Course..... B.ED .... Class Roll No............. 065

Session.... 2020 - 2022 .... Method Subject PHYSICAL SCIENCE.

प्रमाण–पत्र

स्थान Girls Middle School Daudnagar Aurangabad (Bihar) दिनांक 07-09-22

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती Sadiya Anjum क्रमांक 065 ने दिनांक 06-07-22 से 07-09-22 के बीच Physical Science विधि विषय में अभ्यास पाठ श्री/सुश्री / श्रीमती Anoop Kumar Kannaujia & Mrs. Babita के निर्देशन में पूर्ण किया । अभ्यास पाठ अवधि में इनका अध्यापन सन्तोषप्रद रहा ।

07/09/2022

प्रधानाध्यापक,
राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय
दाउदनगर, औरंगाबाद (बिहार)

INDEX

Sl. No.	Topic	Page	Date	Supervisor's Signature	Remarks
1.	हमारे आस-पड़ोस में होने वाले परिवर्तन (कक्षा-6)	1-6	29-07-22		
2.	तत्वों के प्रतीक (कक्षा-7)	7-12	30-07-22		
3.	अम्ल (कक्षा-8)	13-18	01-08-22		
4.	ईंधन (कक्षा-6)	19-24	02-08-22		
5.	पदार्थ (कक्षा-7)	25-30	03-08-22		
6.	ज्वाला (कक्षा-8)	31-36	04-08-22		
7.	पदार्थों का पृथक्करण (कक्षा-6)	37-42	05-08-22		
8.	अम्ल (Class-7)	43-48	06-08-22		
9.	धातु (Class-8)	49-54	08-08-22		
10.	क्षार (Base) (Class-7)	55-60	10-08-22		

INDEX

Sl. No.	Topic	Page	Date	Supervisor's Signature	Remarks
11.	अधातु Non-metal (Class-8)	61-66	11-08-22		
12.	कोयला एवं कोयला का उत्पाद (Class-8)	67-72	13-08-22		
13.	चुम्बक (Magnet) (Class-7)	73-78	16-08-22		
14.	मिश्रण (mixture) (Class-7)	79-84	17-08-22		
15.	संश्लेषित रेशे और प्लास्टिक (Class-7)	85-90	18-08-22		

Lesson Plan
पाठ योजना - 01

Name of the School / विद्यालय का नाम : Girls Middle School, Daudnagar.

Name of the pupil teacher / छात्राध्यापक का नाम : Sadiya Anjum.

Class / वर्ग : 6

Date / दिनांक : 29-07-22 (Change)

Subject / विषय : Physical Sci.

उप विषय : chemistry

Period / घंटी : 4th

Time / अवधि : 45 min.

Topic / प्रकरण : "हमारे आस-पड़ोस में होने वाले परिवर्तन"

General Objectives
सामान्य उद्देश्य :
(i) छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि, समझ और तार्किक दृष्टिकोण विकसित
(ii) छात्रों में विज्ञान के सिद्धांतों को समझकर उनमें अंतर करने का गुण विकसित करें
(iii) विज्ञान के उपायों के महत्व को समझकर दैनिक जीवन में प्रयोग करना

Specific Objectives
विशिष्ट उद्देश्य
(i) छात्र अपने आस-पास के परिवर्तनों का व्यापक अध्ययन कर सकेंगे।
(ii) छात्र विभिन्न परिवर्तनों में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।
(iii) छात्र परिवर्तनों को जानकर उसका दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

Teaching Aids / सहायक सामग्री : चित्र, चार्ट।

Previous knowledge / पूर्व ज्ञान : छात्र इस विषय से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

Introduction :
प्रस्तावना
(i) छात्रों। मनुष्य को जीवित रहने के लिए क्या-क्या जरूरी है? [पानी, वायु, भोजन]
(ii) भोजन में हम क्या-क्या खाते हैं? [अनाज, फल, दूध, मछली, पनीर]
(iii) दूध से क्या-क्या चीजें बनती हैं? [दही, पनीर]
(iv) दूध से दही बनना कौन सा परिवर्तन है? [रासायनिक]

Declaration of Topic / उद्देश्य कथन : छात्रों। आज हम विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

Method of Teaching / शिक्षण विधि : प्रयोग विधि, प्रदर्शन विधि।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशील
परिवर्तन :- (Change)	**स्पष्टीकरण** किसी वस्तु या पदार्थ के गुणों में अंतर आना, परिवर्तन कहलाता है। जैसे :- पत्तियों का रंग बदलना, दूध से दही बनना, आटे को गूंथना आदि।
परिवर्तन के प्रकार	परिवर्तन विभिन्न प्रकार के होते हैं:- 1) तीव्र तथा मंद परिवर्तन 2) अनुकूल तथा प्रतिकूल परिवर्तन 3) प्रत्यावर्तित तथा अप्रत्यावर्तित परिवर्तन 4) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन 5) प्राकृतिक तथा कृत्रिम परिवर्तन 6) अनियमित तथा नियमित परिवर्तन
तीव्र तथा मंद परिवर्तन	**व्याख्या** धीमी गति से होने वाला परिवर्तन मंद परिवर्तन कहलाता है। जैसे :- दूध से दही का बनना। तेज गति से होने वाला परिवर्तन तीव्र परिवर्तन कहलाता है।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशील	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	**हमारे आस-पड़ोस में होने वाले परिवर्तन**
बच्चे समझेंगे व नोट करेंगे।	किसी वस्तु या पदार्थ के गुणों में अंतर आना, परिवर्तन कहलाता है।
बच्चे समझेंगे व लिखेंगे।	>>> दूध से दही का बनना। (धीमी गति का उदाहरण है) >>> दूध में नींबू डालकर, दूध को फाड़ना (तीव्र गति का उदाहरण है)

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशील
अनुकूल तथा प्रतिकूल परिवर्तन	व्याख्या • उपयोगी तथा लाभदायक परिवर्तन अनुकूल परिवर्तन कहलाता है। जैसे :- खाना पकाना, आम का पकना आदि। • अनुपयोगी तथा हानिकारक परिवर्तन प्रतिकूल परिवर्तन कहलाता है। जैसे :- लोहे में जंग लगना आदि।
भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन	व्याख्या • वैसा परिवर्तन जिसमें पदार्थ को पुन: अपनी पूर्वावस्था में प्राप्त किया जा सकता है, भौतिक परिवर्तन कहलाता है। भौतिक परिवर्तन अस्थाई परिवर्तन होता है। जैसे :- बर्फ का पिघलना, बल्ब का जलना, मक्खन का बर्तन में पिघलना आदि। • वैसा परिवर्तन जिसमें पदार्थों को पुन: पूर्वावस्था (पुन: प्राप्त) में प्राप्त नहीं किया जा सकता रासायनिक परिवर्तन कहलाता है। यह स्थाई परिवर्तन होता है। जैसे :- लकड़ी का जलना, अंडा का पकना, दूध का फटना आदि।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशील	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
बच्चें समझेंगे व नोट करेंगे।	-।- हमारे आस-पड़ोस में होने वाले परिवर्तन -।- 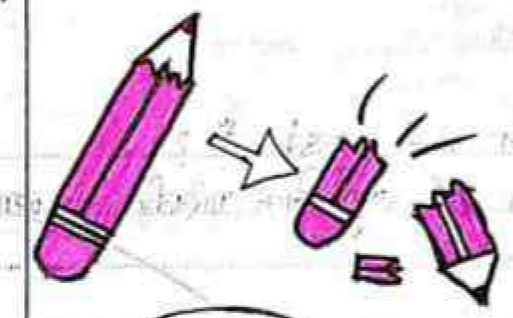
बच्चें समझेंगे व अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	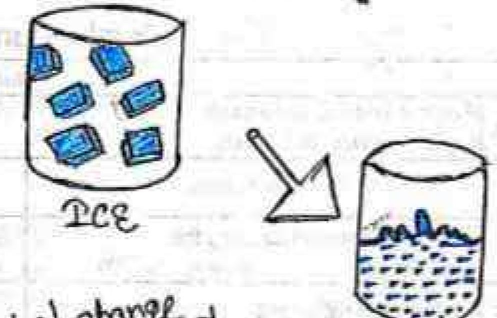 Physical change। 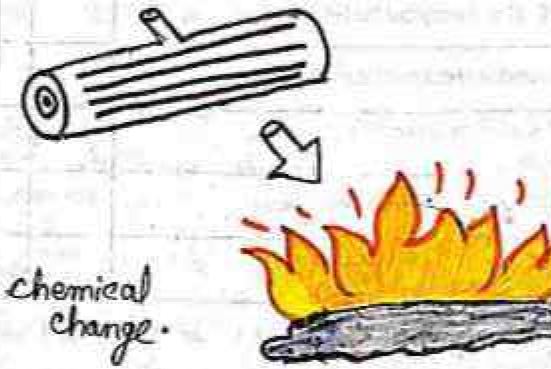 Chemical change.

✓ Good work

Recapitulation Questions

पुनरावृति प्रश्न

(i) परिवर्तन किसे कहते हैं?

(ii) भौतिक परिवर्तन के तीन उदाहरण दें।

(iii) रासायनिक परिवर्तन के तीन उदाहरण बताएँ।

Home - Work

गृह कार्य

(i) परिवर्तन किसे कहते हैं?

(ii) भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन की व्याख्या करें।

(iii) ....

Evaluation

		Excellent	V. Good	Good	Average
1.	Report with the Class/Teacher pupil Interaction, Personality.		✓		
2.	Motivating pupils for class participation			✓	
3.	Clarity of purpose of teaching the particular unit.		✓		
4.	Content, matter of the unit				
5.	Exposition through narration explanation, demonstration etc.				
6.	Questioning Technique.			✓	
7.	B.B. Work throughout the lesson.			✓	
8.	Illustration sketches of teaching aids.			✓	
9.	Drill, revision application, play-way method			✓	
10.	Bridging the unit with the next in order			✓	
11.	Overall impression			✓	

Supervisor's Signature

Lesson Plan - 02
पाठ योजना

Name of the School / विद्यालय का नाम : Girls Middle School, Daudnagar.

Name of the pupil teacher / छात्राध्यापक का नाम : Sadiya Anjum.

Class / वर्ग : 7 Date / दिनांक : 30-07-22

Subject / विषय : Physical Sci. उप विषय : Chemistry.

Period / घंटी : 5th Time / अवधि : 45 min.

Topic / प्रकरण : "तत्वों के प्रतीक।"

General Objectives / सामान्य उद्देश्य :

(i) छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि एवं तार्किक दृष्टिकोण विकसित करना।
(ii) छात्रों में विज्ञान विषय के सिद्धांतों को समझकर उनमें अंतर करने का गुण विकसित करना।
(iii) विज्ञान के उपायों के महत्व को समझकर दैनिक जीवन में उपयोग करना।

Specific Objectives / विशिष्ट उद्देश्य

(i) छात्र विभिन्न तत्वों के प्रतीकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
(ii) छात्र प्रतीकों के माध्यम से तत्वों के सूत्रों को आसानी से याद कर सकेंगे।
(iii) छात्र अपने दैनिक जीवन में तत्वों को उनके संकेतों से पहचान सकेंगे।

Teaching Aids / सहायक सामग्री : प्रमुख तत्वों एवं यौगिकों का चार्ट पेपर।

Previous knowledge / पूर्व ज्ञान : छात्र इस विषय से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

Introduction / प्रस्तावना :

(i) बच्चों! जब हमें प्यास लगती है तो हम क्या पीते हैं? [पानी, जल, Water]
(ii) जल किन-किन तत्वों से मिलकर बना है? [Hydrogen और oxygen]
(iii) Hydrogen और Oxygen को किस प्रकार या संकेत से प्रदर्शित करते हैं? [समस्यात्मक]

Declaration of Topic / उद्देश्य कथन : बच्चों! आज हमलोग 'तत्वों के प्रतीक' का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

Method of Teaching / शिक्षण विधि : प्रश्नोत्तरी, स्पष्टीकरण एवं प्रदर्शन विधि।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
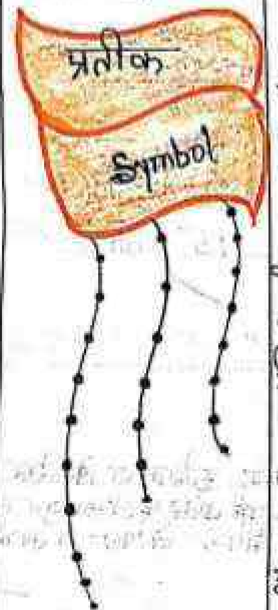	**प्रश्नीकरण** प्र० - प्रतीक किसे कहते हैं ? **स्पष्टीकरण** स्वीडन के जे० जे० बर्जीलियस ने सबसे पहले यह सुझाव दिया कि तत्व के नाम का पहला अक्षर उसका प्रतीक माना जाये। परन्तु अनेक वैज्ञानिकों ने इसका विरोध किया। लेकिन 100 वर्षों के बाद उस सुझाव को मान्यता मिली। अब प्रत्येक तत्व को अंग्रेजी वर्णमाला के एक अथवा दो अक्षरों से दर्शाया जाता है। अधिकांश तत्वों के अंग्रेजी नाम के पहले अक्षर को उसका प्रतीक माना जाता है। जहाँ एक ही अक्षर से एक या दो से अधिक तत्वों के नाम आ रहे थे तो दो अक्षरों को लेकर उनका संकेत बना दिया गया।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
मौन	**तत्वों के प्रतीक**
छात्र - छात्राएँ ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	सन 1808 ई० में जॉन डॉल्टन ने सभी तत्वों के संकेत प्रकार रखने का सुझाव दिया
छात्र - छात्राएँ समझेंगे व मुख्य - मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	स्वीडन के वैज्ञानिक जे० जे० बर्जीलियस ने सुझाव दिया की तत्व के नाम का पहला अक्षर उसका प्रतीक माना जाये।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
प्रतीकों का निर्धारण लैटिन नाम से	**स्पष्टीकरण** कुछ तत्वों के प्रतीक उनके लैटिन भाषा के नाम के आधार पर किये जाये हैं। अंग्रेजी नाम — लैटिन नाम — संकेत Sodium — Natrium — Na Copper — Cuprum — Cu Iron — Ferrum — Fe
प्रतीक का महत्व	**स्पष्टीकरण** किसी तत्व का संकेत निम्नलिखित सूचनाओं को भी व्यक्त करता है - i) तत्व का नाम ii) तत्व का एक परमाणु इसप्रकार Hydrogen का प्रतीक H Hydrogen के एक परमाणु को व्यक्त करता है।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
छात्र-छात्राएँ समझेंगे व नोट करेंगे।	तत्व — प्रतीक Hydrogen - H Carbon - C Fluorine - F Nitrogen - N Sulphur - S Aluminium - Al Argon - Ar Bromine - Br Calcium - Ca Chlorine - Cl V. Nice work
छात्र-छात्राएँ ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	BLACK BOARD WORK

Recaptulation Questions

पुनरावृति प्रश्न

(i) Nitrogen का प्रतीक क्या है ?

(ii) Sodium का प्रतीक क्या है ?

(iii) Aluminium का संकेत बताएँ ?

Home - Work

गृह कार्य

(i) प्रतीक से क्या समझते हैं ?

(ii) 5 ऐसे तत्व का नाम लिखें जिसका संकेत उनके लैटिन नाम पर बना हो।

(iii)

Evaluation

		Excellent	V. Good	Good	Average
1.	Report with the Class/Teacher pupil Interaction, Personality.		✓		
2.	Motivating pupils for class participation		✓		
3.	Clarity of purpose of teaching the particular unit.			✓	
4.	Content, matter of the unit		✓		
5.	Exposition through narration explanation, demonstration etc.			✓	
6.	Questioning Technique.		✓		
7.	B.B. Work throughout the lesson.		✓		
8.	Illustration sketches of teaching aids.			✓	
9.	Drill, revision application, play-way method		✓		
10.	Bridging the unit with the next in order		✓		
11.	Overall impression		✓		

Supervisor's Signature

Lesson Plan
पाठ योजना - 03

Name of the School : Girls Middle School Daudnagar.
विद्यालय का नाम

Name of the pupil teacher : Sadiya Anjum
छात्राध्यापक का नाम

Class : 8 | Date : 21-08-22
वर्ग | दिनांक

Subject : Physical Sci. | उप विषय : Chemistry
विषय

Period : 6th | Time : 1-45 min.
घंटी | अवधि

Topic : "जल (Water)"
प्रकरण

General Objectives
सामान्य उद्देश्य

(i) छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(ii) छात्रों में विज्ञान विषय के सिद्धांतों को समझकर उनमें अंतर करने का गुण विकसित करना।

(iii) विज्ञान के महत्व को समझकर दैनिक जीवन में उपयोग करना।

Specific Objectives
विशिष्ट उद्देश्य

(i) छात्र जल के बारे में व्यापक अध्ययन कर सकेंगे।

(ii) छात्र जल की व्याख्या अपने शब्दों में कर सकेंगे।

(iii) छात्र दैनिक जीवन में जल की महत्ता को समझ सकेंगे।

Teaching Aids : पाठ्य चित्र, चार्ट।
सहायक सामग्री

Previous knowledge : छात्र जल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।
पूर्व ज्ञान

Introduction :
प्रस्तावना

(i) पृथ्वी पर कौन-कौन से जीव जन्तु पाए जाते हैं ? [मनुष्य, जानवर, पक्षी, मछली]

(ii) इन जीवों को जीवित रहने के लिए किन चीजों की आवश्यकता होती है ? [हवा, जल और]

(iii) पानी को और किस नाम से जानते हैं ? [जल]

(iv) जल के विषय में आप और क्या जानते हैं ? [समस्यात्मक]

Declaration of Topic : आज हम कक्षा शिक्षण के दौरान "जल" प्रकरण का अध्ययन करेंगे।
उद्देश्य कथन

Method of Teaching : प्रयोग विधि, प्रदर्शन विधि।
शिक्षण विधि

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशील
विभिन्न जीवधारियों में जल प्रतिशत मान	**स्पष्टीकरण** विभिन्न जीवधारियों में पानी की प्रतिशत मात्रा इस प्रकार है :- जीव — पानी % मात्रा मनुष्य — 70% हाथी — 80% खीरा — 95% टमाटर — 90% आलू — 75% वृक्ष — 60%
पीने योग्य जल	**स्पष्टीकरण** जो जल रंगहीन, गंधहीन एवं कीटाणु रहित हों, वह जल पीने योग्य कहलाता है।
पौधों में जल का महत्व	**स्पष्टीकरण** जल का प्रयोग पौधे प्रकाशसंश्लेषण, वाष्पोत्सर्जन,

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशील	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
बच्चें ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	जल (WATER)
बच्चें समझेंगे व नोट करेंगे।	➤ पीने योग्य जल जो जल रंगहीन, गंधहीन एवं कीटाणु रहित हों, वह जल पीने योग्य कहलाता है।

फल	जल की मात्रा
तरबूज	97%
खीरा	95%
आम	83%
संतरा	87%
सेब	84%
अनानास	84%
जीव	जल की मात्रा
मनुष्य	70%
हाथी	80%

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
	अंकुरण आदि में करते हैं।
पानी की उपयोगिता	स्पष्टीकरण गाँव में रहने वाला प्रत्येक भारतीय 12·15 लीटर जल का प्रयोग करता है।
पानी द्वारा ऊर्जा प्राप्ती	प्र० - पवन-चक्की को चलाने के लिये ऊर्जा कहाँ से मिलती है?
	स्पष्टीकरण पवन-चक्की को चलाने के लिए पानी से ऊर्जा मिलती है।
जल की महत्ता	स्पष्टीकरण दैनिक कार्यों से लेकर कृषि में और विभिन्न उपयोगों में जल का उपयोग होता है। मनुष्य, जानवरों, पेड़-पौधों सभी के जीवन में जल का उपयोग होता है, जल के बिना जीवन असंभव है।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
बच्चें समझेंगे व नोट करेंगे।	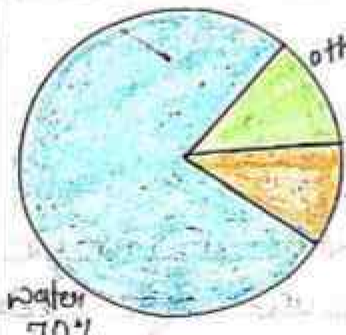
- छात्र सोचते हुए	
बच्चें ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	पीने योग्य जल।
बच्चें समझेंगे व मुख्य-मुख्य बिन्दुओं को नोट करेंगे।	जल का सूत्र Formula of water ⇩ H_2O

(i) मनुष्य में कितने % पानी की मात्रा होती है।
(ii) टमाटर में जल का % मात्रा बताएँ।
(iii) जल के 5 महत्व बताएँ।

Home - Work

गृह कार्य

(i) विभिन्न प्राणियों में जल का % मात्रा लिख कर लायें।
(ii) पीने योग्य जल किसे कहेंगे ?
(iii) जल की महत्ता को लिखकर लायें।

Evaluation

		Excellent	V. Good	Good	Average
1.	Report with the Class/Teacher pupil Interaction, Personality.		✓		
2.	Motivating pupils for class participation		✓		
3.	Clarity of purpose of teaching the particular unit.			✓	
4.	Content, matter of the unit		✓		
5.	Exposition through narration explanation, demonstration etc.			✓	
6.	Questioning Technique.		✓		
7.	B.B. Work throughout the lesson.	✓			
8.	Illustration sketches of teaching aids.	✓			
9.	Drill, revision application, play-way method		✓		
10.	Bridging the unit with the next in order		✓		
11.	Overall impression		✓		

Supervisor's Signature

Name of the School : Girls Middle School, Daudnagar.
विद्यालय का नाम

Name of the pupil teacher : Sadiya Anjum.
छात्राध्यापक का नाम

Class : 6 Date : 02-08-22
वर्ग दिनांक

Subject : Physical Sci. उप विषय : Chemistry
विषय

Period : 4th. Time : 45 min.
घंटी अवधि

Topic : "ईंधन (Fuel)"
प्रकरण

General Objectives
सामान्य उद्देश्य :
(i) छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
(ii) छात्रों में विज्ञान के सिद्धांतों को समझाकर उन्हें उसका करने के गुण विकसित करना।
(iii) विज्ञान के महत्व को समझकर दैनिक जीवन में उपयोग करना।

Specific Objectives
विशिष्ट उद्देश्य
(i) छात्र ईंधन के बारे में व्यापक अध्ययन कर सकेंगे।
(ii) छात्र ईंधन के प्रकारों को जान कर उनमें अंतर कर सकेंगे।
(iii) छात्र दैनिक जीवन में ईंधन के उपयोग को जान सकेंगे।

Teaching Aids : ईंधन चार्ट।
सहायक सामग्री

Previous knowledge : छात्र इस प्रकरण से सम्बंधित पूर्व ज्ञान रखते हैं।
पूर्व ज्ञान

Introduction :
प्रस्तावना
(i) हमारे घरों में भोजन किस पर पकाया जाता है ? [चूल्हे पर]
(ii) चूल्हा किसकी सहायता से जलता है ? [लकड़ी, कोयला, L.P.G.]
(iii) लकड़ी, कोयला, L.P.G. क्या है ? [निरुत्तर]

Declaration of Topic : बच्चों। आज शिक्षा-शिक्षण के दौरान हमलोग "ईंधन" का व्यापक अध्ययन करेंगे।
उद्देश्य कथन

Method of Teaching : व्याख्यान विधि, प्रदर्शन विधि।
शिक्षण विधि

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
ईंधन (Fuels)	**स्पष्टीकरण** ईंधन वे पदार्थ हैं, जो जलाने पर ऊष्मा व प्रकाश उत्पन्न करते हैं। अधिकांश ईंधनों में कार्बन यौगिक या तत्व रूप में उपस्थित रहता है।
ईंधन के प्रकार Types of fuels	**स्पष्टीकरण** ईंधन मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं। 1) ठोस ईंधन (Solid fuels) 2) द्रव ईंधन (Liquid fuels) 3) गैस ईंधन (Gas fuels)
ठोस ईंधन Solid Fuels	प्र० - ठोस ईंधन किसे कहते हैं? **स्पष्टीकरण** वे ईंधन जो ठोस के रूप में होते हैं तथा जलाने पर Carbondioxide (CO_2),

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।	ईंधन (FUELS) ईंधन वे पदार्थ हैं, जो जलाने पर ऊष्मा व प्रकाश उत्पन्न करते हैं।
बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	• ईंधन के प्रकार :- 1) ठोस ईंधन, 2) द्रव ईंधन एवं 3) गैस ईंधन।
मौन	
बच्चे समझेंगे।	

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
	Carbonmono oxide (CO) व ऊष्मा उत्पन्न करते हैं। जैसे :- लकड़ी, कोयला, कोक आदि।
द्रव ईंधन Liquid Fuels	प्र० - द्रव ईंधन किसे कहते हैं? स्पष्टीकरण द्रव ईंधन विभिन्न प्रकार के hydro carbon के मिश्रण से बने होते हैं तथा जलाने पर Carbondioxide व जल का निर्माण करते हैं। जैसे :- केरोसिन, पेट्रोल, डीजल, Alcohal आदि।
गैस ईंधन Gas fuels	स्पष्टीकरण ऐसी गैस जो जलाने पर ऊष्मा उत्पन्न करती है, गैस ईंधन कहलाती है जैसे :- कोलगैस, L.P.G., प्रोड्यूसर गैस, वाटर गैस, पेट्रोल गैस आदि।

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
	 (लकड़ी) ठोस ईंधन
→ मौन	
बच्चे समझेंगे व लिखेंगे।	(केरोसिन) द्रव ईंधन 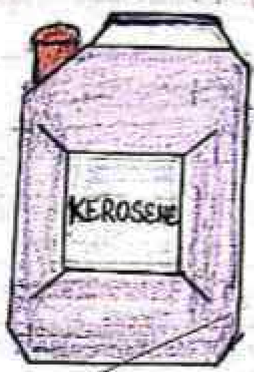
बच्चे समझेंगे व लिखेंगे।	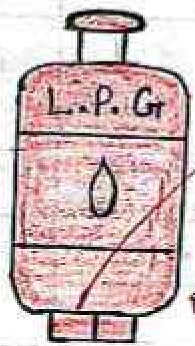 (L.P.G) गैस ईंधन Excellent
	L.P.G :- Liquid Pertrolium Gas.

Recapulation Questions

पुनरावृति प्रश्न

(i) ईंधन किसे कहते हैं?
(ii) ईंधन के प्रकार बताएँ।
(iii) ठोस ईंधन का उदाहरण दें।

Home - Work

गृह कार्य

(i) ईंधन को परिभाषित करें।
(ii) ईंधन के प्रकारों की व्याख्या करें।
(iii) ...

Evaluation

		Excellent	V. Good	Good	Average
1.	Report with the Class Teacher pupil Interaction, Personality.		✓		
2.	Motivating pupils for class participation		✓		
3.	Clarity of purpose of teaching the particular unit.			✓	
4.	Content, matter of the unit		✓		
5.	Exposition through narration explanation, demonstration etc.		✓		
6.	Questioning Technique.		✓		
7.	B.B. Work throughout the lesson.	✓			
8.	Illustration sketches of teaching aids.	✓			
9.	Drill, revision application, play-way method	✓			
10.	Bridging the unit with the next in order		✓		
11.	Overall impression		✓		

Lesson Plan
पाठ योजना - 05

Name of the School : Girls Middle School, Daudnagar
विद्यालय का नाम

Name of the pupil teacher : Sadiya Anjum
छात्राध्यापक का नाम

Class : 7
वर्ग

Date : 03-02-22
दिनांक

Subject : Physical Sci.
विषय

उप विषय : Chemistry

Period : 5th
घंटी

Time : 45 min.
अवधि

Topic : पदार्थ (Matter)
प्रकरण

General Objectives
सामान्य उद्देश्य :
(i) छात्रों में विज्ञान विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
(ii) छात्रों में विज्ञान के सिद्धांत को समझाकर उनमें अंतर करने की ...
(iii) विज्ञान के महत्व को समझाकर दैनिक जीवन में उपयोग ...

Specific Objectives
विशिष्ट उद्देश्य
(i) छात्र पदार्थ के बारे में विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।
(ii) छात्र पदार्थ की अवस्थाओं को जानकर उनमें अंतर कर सकेंगे।
(iii) छात्र अपने दैनिक जीवन से पदार्थों को जोड़ सकेंगे।

Teaching Aids : चित्र, चार्ट, पुस्तक, कलम।
सहायक सामग्री

Previous knowledge : बच्चों पदार्थ के बारे में सामान्य जानकारी ...
पूर्व ज्ञान

Introduction :
प्रस्तावना
(i) आपके घर से कौन-कौन सी फर्नीचर या वस्तुएँ हैं? [मेज, कुर्सी, ...
(ii) कुर्सी क्या घेरती है? [स्थान, भार]
(iii) जो वस्तु स्थान या भार घेरती है, वो क्या कहलाती है? [पदार्थ ...

Declaration of Topic : बच्चों आज हम लोग "पदार्थ" के बारे में अध्ययन ...
उद्देश्य कथन

Presentation प्रस्तुतीकरण		Presentation प्रस्तुतीकरण	
Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन	Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
पदार्थ (Matter)	व्याख्यान " कोई भी वस्तु जो स्थान घेरती हो, जिसका द्रव्यमान हो और जिसे हम अपनी इन्द्रियों से महसूस कर सकते हैं, तो उसे पदार्थ कहते हैं। " जैसे :- पुस्तक, गेंद, कार, पेन, बॉल, कुर्सी आदि सब पदार्थ हैं।	बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे। बच्चे नोट करेंगे।	पदार्थ :- कोई भी वस्तु जो स्थान घेरती हो, जिसका द्रव्यमान हो, और जिसे हम अपनी इन्द्रियों से महसूस कर सकते हैं, तो उसे पदार्थ कहते हैं। उदाहरण :- पुस्तक, गेंद, कलम, बॉल, कुर्सी, कार आदि।
पदार्थ की अवस्थाएँ	पदार्थ को अवस्था के आधार पर 3 भागों में बांटा गया है। 1) ठोस अवस्था (Solid State) 2) द्रव अवस्था (Liquid State) 3) गैस अवस्था (Gas State)	बच्चे समझेंगे।	पदार्थ की अवस्थाएँ ठोस अवस्था 1) (Solid State) द्रव अवस्था 2) (Liquid State)

प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन	Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
ठोस अवस्था (Solid)	स्पष्टीकरण ऐसे पदार्थ जिसका आयतन व आकार दोनों ही निश्चित होते हैं, उसे ठोस कहते हैं। जैसे :- पत्थर, लोहा, सोना आदि।	बच्चें समझेंगे व नोट करेंगे।	
द्रव (Liquid)	स्पष्टीकरण ऐसा पदार्थ जिसका आयतन तो निश्चित होता है परन्तु आकार अनिश्चित होता है। द्रव को जिस भी पात्र में डाला जाता है तो वह उसका आकार ग्रहण कर लेता है। जैसे :- दूध, तेल, जल, पारा आदि।	बच्चें समझेंगे व लिखेंगे।	
गैस (Gas)	स्पष्टीकरण ऐसा पदार्थ जिसका न तो आयतन निश्चित होता है और न ही आकार। उसे गैस पदार्थ कहते हैं। जैसे – Oxygen, hydrogen.	बच्चें समझेंगे व नोट करेंगे। क्रमशः...	

Recapitulation Questions

पुनरावृति प्रश्न

(i) पदार्थ किसे कहते हैं ?

(ii) पदार्थ की कितनी अवस्थाएँ होती हैं

(iii) द्रव पदार्थ का 3 उदाहरण दें।

Home - Work

गृह कार्य

(i) पदार्थ किसे कहते हैं ?

(ii) पदार्थ की अवस्थाओं को लिख कर लायें।

(iii) ....

Evaluation

		Excellent	V. Good	Good	Average
1.	Report with the Class/Teacher pupil Interaction, Personality.		✓		
2.	Motivating pupils for class participation			✓	
3.	Clarity of purpose of teaching the particular unit.		✓		
4.	Content, matter of the unit			✓	
5.	Exposition through narration explanation, demonstration etc.		✓		
6.	Questioning Technique.		✓		
7.	B.B. Work throughout the lesson.	✓			
8.	Illustration sketches of teaching aids.	✓			
9.	Drill, revision application, play-way method	✓			
10.	Bridging the unit with the next in order	✓			
11.	Overall impression		✓		

Supervisor's Signature

Lesson Plan

पाठ योजना - 06

Name of the School : Girls Middle School, Daudnagar.
विद्यालय का नाम

Name of the pupil teacher : Sadiya Anjum
छात्राध्यापक का नाम

Class : 8 Date : 04-03-22
वर्ग दिनांक

Subject : Physical Sci. उप विषय : Chemistry
विषय

Period : .... Time : 45 min.
घंटी अवधि

Topic : ज्वाला (Flame)
प्रकरण

General Objectives
सामान्य उद्देश्य :

(i) बच्चों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(ii) बच्चों में विज्ञान के सिद्धांत को समझकर उनमें अंतर करने की क्षमता विकसित

(iii) विज्ञान के महत्व को समझकर दैनिक जीवन में उपयोग करना।

Specific Objectives
विशिष्ट उद्देश्य

(i) बच्चे ज्वाला के बारे में विस्तृत अध्ययन कर सकें।

(ii) बच्चे ज्वाला के क्षेत्रों की पहचान कर उनमें अंतर कर सकें

(iii) बच्चे अपने दैनिक जीवन में ज्वाला का महत्व समझ कर उपयोग कर सकें।

Teaching Aids
सहायक सामग्री : चार्ट, मोमबत्ती, माचिस आदि।

Previous knowledge : बच्चे इससे संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं
पूर्व ज्ञान

Introduction :
प्रस्तावना

(i) बच्चों! ऋतुओं के नाम बताएँ ? [गर्मी, सर्दी, वर्षा, बसंत]

(ii) ज्यादा सर्दी लगने पर आप क्या करते हैं? [हम आग जलाते हैं, आग जलाते]

(iii) आग को और किस नाम से जानते हैं? [ज्वाला]

(iv) ज्वाला के बारे में विस्तार से बताएं ? [निरुत्तर]

Declaration of Topic : बच्चों! आज हम ज्वाला का विस्तृत अध्ययन करेंगे।
उद्देश्य कथन

Method of Teaching : प्रयोग विधि, प्रदर्शन विधि।
शिक्षण विधि

प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन
ज्वाला (Flame)	स्पष्टीकरण दहन के समय जो पदार्थ वाष्पित होते हैं वे ज्वाला का निर्माण करते हैं। अतः ज्वाला या लौ दहन का दिखाई देने वाला गैसीय अवयव है। यह अत्यधिक ऊष्माक्षेपी दहन क्रियाओं में दिखता है।
ज्वाला के क्षेत्र	स्पष्टीकरण सामान्य रूप से देखने पर ज्वाला में विभिन्न क्षेत्र दिखाई पड़ते हैं :— 1) नीला भाग 2) पीला भाग 3) काला भाग

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	ज्वाला > "दहन के समय जो पदार्थ वाष्पित होते हैं, वे ज्वाला का निर्माण करते हैं।"
छात्र समझेंगे।	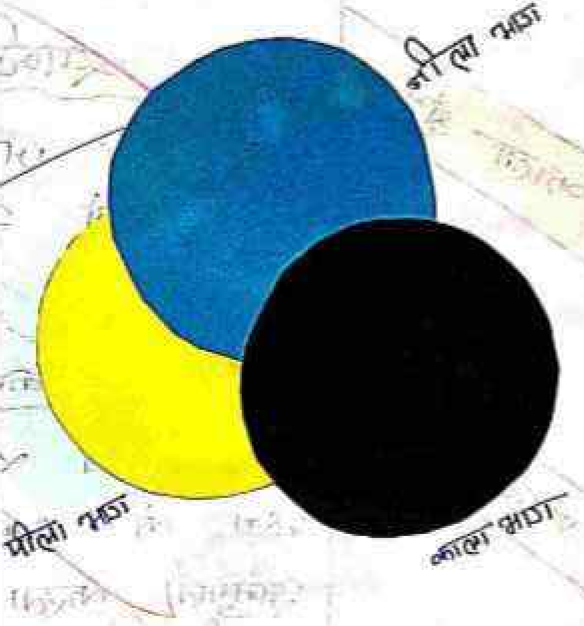

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Content विषय-वस्तु	Teacher's Activity शिक्षक क्रियाशीलन	Student's Activity छात्र क्रियाशीलन	Black-Board Work श्यामपट्ट कार्य
नीला क्षेत्र	**स्पष्टीकरण** यह पूर्ण दहन का सबसे बाह्य क्षेत्र होता है।	छात्र समझेंगे व नोट करेंगे।	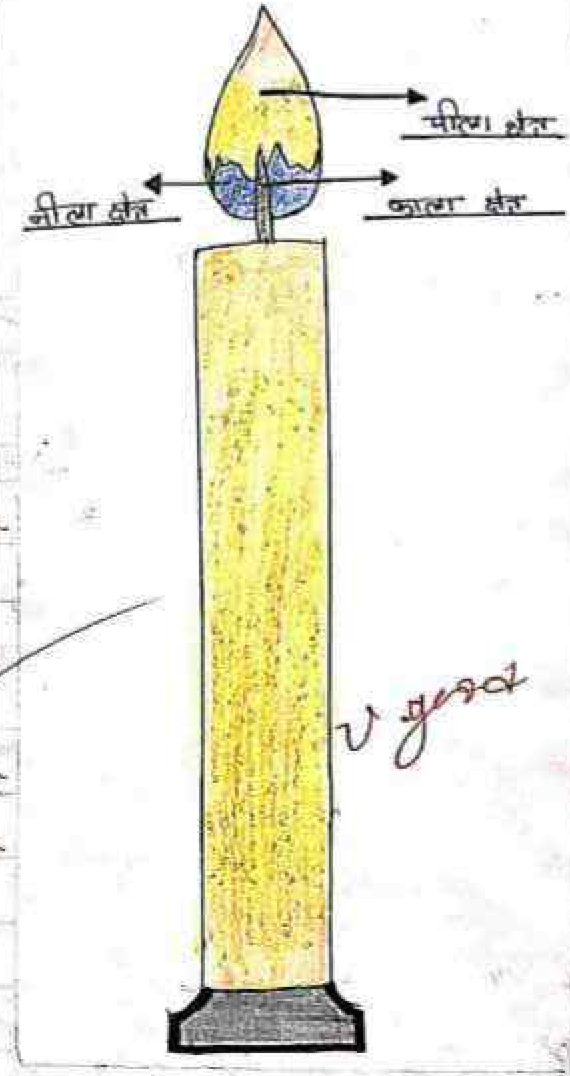 ज्वाला के क्षेत्र।
पीला क्षेत्र	**स्पष्टीकरण** पीला भाग ज्वाला का मध्य भाग होता है जिसमें आंशिक दहन होता है।		
काला क्षेत्र	**स्पष्टीकरण** यह बिना जली मोमबत्ती का सबसे आंतरिक भाग होता है।	छात्र समझेंगे।	
ज्वाला का रंग	**स्पष्टीकरण** ज्वाला का रंग, तापमान, दहन के अवयवों का अनुपात करता है। विभिन्न पदार्थ भिन्न-भिन्न रंग की ज्वाला उत्पन्न करते हैं।	छात्र सुनेंगे व लिखेंगे।	

Presentation
प्रस्तुतीकरण

Ref. :........................ Date :........................

Documents showing the different activities

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

ORAL ASSESMENT

1. The moon is larger than the Earth.
   A. True
   B. False
2. Photosynthesis is the process by which plants convert sunlight into energy.
   A. True
   B. False
3. The human heart has four chambers.
   A. True
   B. False
4. The capital of France is Paris.
   A. True
   B. False
5. The Spanish Armada was defeated by England in 1588.
   A. True
   B. False
6. The Scientific name for the common cold is rhinovirus.
   A. True
   B. False
7. Julius Caesar was an emperor of the Roman Empire.
   A. True
   B. False
8. Oxygen is the most abundant element in the Earth's atmosphere.
   A. True
   B. False
9. Leonardo da Vinci painted the Mona Lisa.
   A. True
   B. False
10. The United States Declaration of independence was signed in 1776.
    A. True
    B. False
11. The Great wall of china is the only man-made structure visible from space.
    A. True
    B. False

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

12. The first computer programming language was Fortran.

A. True

B. False

13. William Shakespeare wrote the play Romeo and Juliet.

A. True

B. False

14. The force that opposes motion between two surfaces is called friction.

A. True

B. False

15. Water boils at a temperature of 100 degrees Celsius at sea level.

A. True

B. False

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

RATING SCALE

NAME OF STUDENT:

CLASS:

ROLL NO:

PERIOD:

TOPIC:

Question No.	True	False	Remarks
01			
02			
03			
04			
05			
06			
07			
08			
09			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
TOTAL			

Remarks:-

- Very Poor
- Poor
- Good
- Very Good
- Excellent
- Outstanding

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

RATING SCALE

NAME OF STUDENT: Sumit

CLASS: 8

ROLL NO: 16

PERIOD: 3rd

TOPIC: question answer session

Question No.	True	False	Remarks
01	✓		Good
02	✓		
03	✓		
04		✓	
05		✓	
06	✓		
07		✓	
08	✓		
09		✓	
10	✓		
11	✓		
12	✓		
13		✓	
14	✓		
15	✓		
TOTAL	10	05	

Remarks:-

- Very Poor
- Poor
- Good
- Very Good
- Excellent
- Outstanding

10/05/23

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

RATING SCALE

NAME OF STUDENT: Priya

CLASS: 7

ROLL NO: 47

PERIOD: 3rd

TOPIC: Question & Answer Session

Question No.	True	False	Remarks
01	✓		Outstanding
02	✓		
03	✓		
04	✓		
05	✓		
06		✓	
07	✓		
08	✓		
09	✓		
10		✓	
11	✓		
12	✓		
13	✓		
14	✓		
15	✓		
TOTAL	13	02	

Remarks:-

- Very Poor
- Poor
- Good
- Very Good
- Excellent
- Outstanding

10/03/23

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :........................ Date :........................

ORAL TEST – 10/03/2023

PRINCIPAL

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College

Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :........................ Date :........................

Classroom Teaching in POT School

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :........................ Date :........................

Quiz Competition in POT School

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :.......................... Date :..........................

Various Activities in POT School

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :.......................... Date :..........................

Internship Classes

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)